पालनार में बटा जाबकार्ड, मनरेगा से निर्माण कार्य प्रगति पर

बीजापुर 16 मई (दण्डकारण्य समाचार)। दशकों तक माओवादियों की दशहत की गूंज के चलते पालनार में ग्रामीणों की जिंदगी सिसकियां ले रही थी। शासन की योजनाएं तो दूर प्रशासन स्तर के अधिकारी कर्मचारी को भी इस क्षेत्र में जाने की मनाही थी। आज उसी पालनार ग्राम में ग्रामीण शासन की योजनाओं से जुड़कर कंधे से कंधा मिलाकर विकास के पथ की ओर अग्रसर हो रहे हैं । पालनार में वर्तमान में महात्मा गांधी नरेगा योजना से पंचायत भवन , आंगनबाड़ी और डबरी निर्माण कार्य प्रगति पर हैं।यह सब संभव हो पा रहा है, छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी योजना नियद नेल्लानार की बदौलत। इस ग्राम में नए जुड़े मजदूरों को उनका महात्मा गांधी नरेगा से बने जॉबकार्ड वितरण किया गया। जॉबकार्ड अपने हाथों में पाकर ग्रामीण श्रमिको की खुशी देखते ही बन रही थी। पालनार में मनरेगा योजनांतर्गत 201 श्रमिक कार्ड है, जिसमें कुल 369 पंजीकृत श्रमिक है।

जाबकार्ड वितरण करने पहुंचे सहायक परियोजना अधिकारी मनीष सोनवानी और सहायक प्रोग्रामर बिच्चम ताती ने ग्रामीणों को मनरेगा योजना से हितग्राहियों को स्वीकृत कार्यक्रम में 800 से अधिक किसानों को कृषि विभाग, पशुपालन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों के द्वारा बीज उत्पादन, 17 प्रतिशत नमक घोल से बीज उपचार एवं आगामी खरीफ सीजन की तैयारी हेतु कृषकों को विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में किसानों को जानकारी देते हुए बताया गया कि प्राकृतिक खेती में फसलों के पोषक तत्व की आपूर्ति हेतु जीवाणु खाद फसल अवशेष और प्रकृति में उपलब्ध खनिज जैसे रॉक फास्फेट का उपयोग किये जाते हैं। इनके खेत में उपयोग से मिट्टी में पोषक तत्वों की वृद्धि के साथ-साथ जैविक गतिविधियों का विस्तार होता है। प्राकृतिक खेती में बीजामृत, घनजीवामृत, जीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नि अस्त्र, दशपर्णी अर्क का उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही जैविक खेती में जैव उर्वरक अंतर्गत नील हरित काई, राइजोबियम कल्चर, एजोस्पाइरिलम, एजोटोबैक्टर, स्पूर घोलक जीवाणु (पीएसबी), कचरा अपघटक का उपयोग किया जाता है। किसानों को पोषक तत्वों से भरपूर लघु धान्य फसलों के बढ़ती मांग को देखते हुए रागी, कोदो, कुटकी की फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत 800 से अधिक किसान लाभान्वित

सुकमा,16 जून (दण्डकारण्य समाचार)। विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत गुरुवार को सुकमा जिले के ग्राम चिंगावरम, नागारास, बोदारास, उरमापाल, मड़वाही एवं नुलकातोंग में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 15 दिनों तक चले विकसित कृषि संकल्प अभियान का समापन कोंटा ब्लॉक के ग्राम पंचायत मड़वाही में जिला पंचायत के स्थायी समिति के सभापति श्री सोयम मुक्का की अध्यक्षता में किया गया।

कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन तथा जिला सीईओ श्रीमती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में चल रहे जिलास्तरीय कार्यक्रम में 800 से अधिक किसानों को कृषि विभाग, पशुपालन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों के द्वारा बीज उत्पादन, 17 प्रतिशत नमक घोल से बीज उपचार एवं आगामी खरीफ सीजन की तैयारी हेतु कृषकों को विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में किसानों को जानकारी देते हुए बताया गया कि प्राकृतिक खेती में फसलों के पोषक तत्व की आपूर्ति हेतु जीवाणु खाद फसल अवशेष और प्रकृति में उपलब्ध खनिज जैसे रॉक फास्फेट का उपयोग किये जाते हैं। इनके खेत में उपयोग से मिट्टी में पोषक तत्वों की वृद्धि के साथ-साथ जैविक गतिविधियों का विस्तार होता है। प्राकृतिक खेती में बीजामृत, घनजीवामृत, जीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नि अस्त्र, दशपर्णी अर्क का उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही जैविक खेती में जैव उर्वरक अंतर्गत नील हरित काई, राइजोबियम कल्चर, एजोस्पाइरिलम, एजोटोबैक्टर, स्पूर घोलक जीवाणु (पीएसबी), कचरा अपघटक का उपयोग किया जाता है। किसानों को पोषक तत्वों से भरपूर लघु धान्य फसलों के बढ़ती मांग को देखते हुए रागी, कोदो, कुटकी की फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत मृदा परीक्षण के फायदों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि किसानों को अपने खेतों का मृदा का परीक्षण अवश्य कराना चाहिए। इससे मृदा में पोषक तत्वों की कमी को देखते हुए आवश्यकता अनुसार उर्वरक का उपयोग करने से फसल उत्पादकता में वृद्धि होगी। किसानों को फसलों में पौध संरक्षण के संबंध में समुचित जानकारी देते हुए रसायनों का उचित प्रयोग करने के लिए बताया गया।

◆ सीसीटीव्ही कैमरा सहित ट्रेफिक सिंग्नल को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नगर की सुरक्षा को लेकर पार्षद ने जताई चिंता

सुकमा, 16 जून (दण्डकारण्य समाचार)। सुकमा नगर की आंतरिक सुरक्षा व तीसरी आंख को लेकर नगरपालिका सुकमा की पार्षद कांता राठी ने कलेक्टर सुकमा को ज्ञापन सौंप कर शहर में सीसी टीव्ही कैमरे, ट्रैफिक सिंगनल सहित संभावित बाढ़ को रोकने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का आग्रह किया है। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि अरूण सिंह भदौरिया, जिला भाजपा कोषाध्यक्ष लीलाधर राठी, एससी मौर्चा जिलाध्यक्ष राजकुमार श्रीवाने भीउपस्थित थे। सुकमा नगरपालिका के वार्ड क्रं 13 शहीद चंद्रशेखर वार्ड की पार्षद कांता राठी ने जनहित के मुद्दो को लेकर अपनी सक्रियता बढ़ाते हुए कई विकास कार्यो को लेकर सजगता दिखानी शुरू कर दी है। सुकमा शहर में बढ़ते अपराध व नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पार्षद कांता राठी ने कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव को ज्ञापन सौंप कर कहा कि नगरपालिका सुकमा जिला मुख्यालय सुकमा में स्थित है। जिला मुख्यालय में स्थित होने के वजह से शहर की सुरक्षा एक गंभीर समस्या है। असामाजिक गतिविधियों के अलावा कई तरह के प्रकरण आये दिन सुर्खियों में रहते है। तत्संबंध में सुकमा नगरपालिका क्षेत्र के एक दर्जन स्थानों पर सीसी टीव्ही कैमरे लगाया जाना आवश्यक है जिससे सुकमा के हजारों नागरिक अपने आप को सुरक्षित महसुस कर सके।

एनएच 30 पर स्थापित हो टैफिक सिंग्नल

कलेक्टर सुकमा को सौंपे गयो ज्ञापन में पार्षद श्रीमति राठी ने कहा कि सुकमा नगरपालिका होने के साथ साथ जिला मुख्यालय भी है। सुकमा शहर के मध्य से एनएच 30 गुजरती है और यातायात का भारी दबाव शहर के मध्य रहता है और आये दिन दुर्घटनाये होते रहती है। जिला मुख्यालय होने व चौक चौराहो को देखते हुए शहर के महेश चैक, बस स्टेण्ड चैक व गादीरास चैक पर ट्रैफिक सिंग्नल लगाना अत्यंत आवश्यक है।

संभावित बाढ़ से बचने किये जाये कारगर उपाय

कलेक्टर सुकमा को सौंपे गये ज्ञापन में पार्षद कांता राठी ने कहा कि नगर पालिका परिषद् सुकमा अंतर्गत आने वाले संभावित बाढ़ को लेकर प्रशासन हमेशा चिंतित रहा है। लेकिन वर्षा पूर्व उचित प्रबंधन के अभाव में शहर के भीतर बारिश व बाढ़ का पानी आ जाने से धन माल को नुकसान होता है। सुकमा नगरपालिका क्षेत्र के छोटे बड़े नालों की सफाई अत्यंत आवश्यक है। खासकर प्रेम नगर (वार्ड क्रमांक 08) में निकासी नाली की सफाई, महात्मा गांधी (वार्ड क्रमांक 07) में निकासी नाली की सफाई, राठी मार्ट के बाजु से जाने वाले नाला की सफाई एवं भाजपा कार्यालय के पास बरसात में पानी का जाम को रोकने हेतु निकासी की व्यवस्था जरूरी है। ज्ञापन के अनुसार गायत्री माता मंदिर (कलेक्ट्रेट रोड) के पास नाला सफाई, वार्ड क्रं. 13 शहीद चंद्रशेखर वार्ड स्थित नाले की सफाई अगर समय रहते हो जाती है तो संभावित नुकसान से बचा जा सकता है।

नेशनल इंटरनेशनल पदक प्राप्त खिलाड़ियों ने जिले के कलेक्टर से की सौजन्य भेंट

बीजापुर 16 जून (दण्डकारण्य समाचार)। चंडीगढ़ में आयोजित हुई जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ प्रदेश की गर्ल्स टीम को ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त हुआ था छत्तीसगढ़ प्रदेश में टीम में बीजापुर जिले से 6 खिलाड़ियों का चयन हुआ था जिसमेंअनुराधा कोवासी ,अस्मिता मरपल्ली ज्योति ओयाम ,रिंकी हेमला लक्ष्मी बघेल, पूजा कोरसा सभी 6 खिलाड़ी ने प्रदेश को पदक प्राप्त करने में अहम योगदान दिया था। उक्त खिलाड़ियों को कलेक्टर के द्वारा पदक पहनाकर स्वागत किया गया वहीं बैंकॉक में आयोजित हुई एशियाई चैंपियनशिप सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे राकेश पुनेम और राकेश कड़ती के द्वारा भारतीय टीम वापस पहुंचने के बाद जिले के कलेक्टर श्री संबित मिश्रा द्वारा जानकारी ली गई खिलाडियों ने खेलने की बारीकियों से लेकर देश-विदेश से आए टीमों के बारे उनके परफॉर्मेंस तथा भारतीय टीम का क्या रेंक इत्यादि के बारे में जानकारी दी। कलेक्टर ने खिलाड़ियों से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया और उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए और अच्छे खेल के प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान जिला खेल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्री नारायण प्रसाद गवेल एवं श्रम निरीक्षक और इंटरनेशनल कोच श्री सोपान कर्णेवार उपस्थित थे

नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत चयनित ग्राम दारेली में चार माह का एकमुस्त राशन वितरण

बीजापुर 16 जून (दण्डकारण्य समाचार)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत जिले के पहुंचविहीन केंद्र दारेली जो नियद नेलानर अंतर्गत चयनित है उक्त ग्रामों में ट्रैक्टर के माध्यम से राशन सामग्री मूल पंचायत में भंडारण कर वितरण कराया जा रहा है शासन की अति महत्वपूर्ण योजना पीडीएस का लाभ लोगों को अंदरूनी क्षेत्रों में भी मिलने लगा है। ज्ञात हो कि शासन की अति महत्वपूर्ण योजना नियद नेलानर के तहत अंरदरुनी क्षेत्र में पीडीएस का लाभ दिलाने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में जहां सड़क मार्ग नहीं है वहां पर भी ट्रैक्टर के माध्यम से राशन मूल पंचायत में पहुंचा कर वितरण किए जाने के कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देश पर चार माह का राशन सामग्री ट्रैक्टर के माध्यम से भंडारण कर वितरण कराया जा रहा है जिससे ग्राम ग्रामवासी मूल पंचायत में राशन मिलने पर बहुत ही खुश हैं ।

क्या कहते हैं खाद्य अधिकारी

जिले के खाद्य अधिकारी नारायण प्रसाद गवेल ने बताया कि बीजापुर जिले में 70 पहुंचविहीन केंद्र चिन्हांकित किए गए हैं जहां पर बारिश के दौरान आवागमन बाधित होता है सड़क मार्ग नहीं है ऐसे चयनित स्थलों पर खाद्यान्न का एक मुक्त भंडारण कर 4-6 माह का कार्ड धारी उपभोक्ताओं को राशन सामग्री वितरण किया जाता है जिससे उन्हें नदी नालों पर पार करके राशन लेने की आवश्यकता न हो एवं एकमुस्त राशन उन्हें मिल पाता है जिले में चयनित दुकानों में राशन सामग्री का भंडारण वितरण का कार्य उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से किया जा रहा है। जिले में नियद नेल्लानार योजना प्रारंभ होने के बाद 22 दुकानों को उनके मूल पंचायत में शिफ्ट कर राशन सामग्री कार्डधारियों को मूल पंचायत में उपलब्ध कराया जा रहा है।

महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

दंतेवाड़ा, 16 जून (दण्डकारण्य समाचार) कलेक्टर जिला दंतेवाड़ा कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी वरुण नागेश के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दिनांक 13 जून 2025 को महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन जिला ग्रंथालय, दंतेवाड़ा में किया गया। इस अवसर पर महिला संरक्षण अधिकारी श्रीमती मनीषा ठाकुर द्वारा अधिनियम की प्रमुख धाराओं पर विस्तृत जानकारी दी ई। उन्होंने बताया कि लैंगिक उत्पीड़न के अंतर्गत शारीरिक संपर्क, लैंगिक अनुग्रह की मांग, आपत्तिजनक टिप्पणियां, अश्लील लेखन या प्रदर्शन, तथा किसी भी प्रकार का अनुचित शारीरिक, मौखिक या शाब्दिक आचरण शामिल हैं। ऐसे सभी संस्थान जहाँ 10 या अधिक कर्मचारी कार्यरत हों, वहाँ धारा 4 के अंतर्गत आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य है। वहीं जहाँ कर्मचारियों की संख्या 10 से कम हो अथवा शिकायत स्वयं नियोक्ता के विरुद्ध हो, वहां स्थानीय शिकायत समिति के माध्यम से शिकायत की जा सकती है।

कार्यशाला में विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला दंतेवाड़ा के सचिव श्री अनंत दीप तिर्की एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री के.के. देवांगन ने विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहकर अधिनियम 2013 के विभिन्न प्रावधानों, समितियों के गठन एवं उनके कर्तव्यों व कार्य विधियों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। स्थानीय शिकायत समिति की अध्यक्ष श्रीमती बबीता पांडे द्वारा प्रत्येक माह समिति की बैठक आयोजित कर रिपोर्ट जिला कार्यक्रम अधिकारी को भेजे जाने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने यह भी बताया कि समिति का कार्यकाल पूर्ण होने के पश्चात उसका पुनर्गठन अनिवार्य है एवं समिति गठन संबंधी सूचना का बोर्ड कार्यालय में चस्पा किया जाना आवश्यक है।

लखमू को दी गई भावभीनी विदाई

बीजापुर 16 जून (दण्डकारण्य समाचार)। जिला चिकित्सालय में कार्यरत लखमूराम राणा को उनके सेवाकाल के सफलतापूर्वक पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर आज उनके साथी कर्मचारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। सिविल सर्जन डॉ रत्ना ठाकुर जी की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले जिला चिकित्सालय के सभागार में आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्वयं लखमूराम राणा उपस्थित रहे। अतिथियों के स्वागत के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। सभी कर्मचारियों ने लखमू के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए बारी बारी अपने विचार रखे। विकट परिस्थितियों में भी लगभग 35 वर्ष मानवसेवा एवं शासकीय दायित्व का निर्वहन करने के उपरांत आज सेवानिवृत्त होने पर लखमू के मनोभाव उनके चेहरे पर साफ झलक रहे थे। जैसे ही माइक पर बोलने को कहा गया दुखी मन से उन्होंने अपनी बात रखी एवं सबका धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अंत में सिविल सर्जन महोदया ने लखमू को जीवन के नए पड़ाव में प्रवेश करने की अग्रिम शुभकामनाएं दी एवं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सदाशिव दुर्गम सहित डॉ जिशान मनीषा, ममता, सोमलू, प्रभा, शरद, लोकेश, प्रमोद, गौरी, राजेश, सुरेन्द्र, महेश, अनिल, मिथलेश, जगन्नाथ, सरिता, ललिता, सागर, वर्षा, शिवशंकर, कैलाश, मंडावी, हेमलता, सरस्वती सहित समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

युक्तियुक्तकरण से जिले के 10 शिक्षकविहीन प्राथमिक विद्यालयों को मिले शिक्षक

◆ एकल शिक्षकीय 244 प्राथमिक शाला, दो मिडिल स्कूल, दो हाई स्कूल और एक हायर सेकेंडरी स्कूल में भी हुई शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था

◆जिले में अब कोई भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं रहा

कोण्डागांव, 16 जून (दण्डकारण्य समाचार)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए किए जा रहे ज्युक्तियुक्तकरणज् प्रक्रिया के सकारात्मक परिणाम अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर किए जा रहे युक्तियुक्तकरण से कोंडागांव जिले के 10 शिक्षकविहीन प्राथमिक विद्यालयों को आखिरकार शिक्षक मिल गए हैं, जिससे न केवल शैक्षणिक गतिविधियाँ फिर से गति पकड़ेंगी, बल्कि सैकड़ों बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित होगा। वहीं जिले के एकल शिक्षकीय 244 प्राथमिक शाला, दो पूर्व माध्यमिक शाला, दो हाई स्कूल और एक हायर सेकेण्डरी स्कूल में भी शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। इस प्रकार जिले में अब कोई भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं रहा। जिले के माकड़ी विकासखण्ड के प्राथमिक शाला करमरी, प्राथमिक शाला डोंगरीपारा क्षमतापुर और प्राथमिक शाला नेवरा, बड़ेराजपुर विकासखण्ड के प्राथमिक शाला रावसवाही, कोण्डागांव विकासखण्ड के प्राथमिक शाला कोरमेल, प्राथमिक शाला बाखरा, प्राथमिक शाला ज्ञान ज्योति नयापारा छोटेबंजोड़ा, प्राथमिक शाला एहरा और प्राथमिक शालाखुटडोबरा पूरी तरह शिक्षाकविहीन थे। इन स्कूलों में वर्षों से शिक्षक नहीं होने के कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही थी। अब शिक्षकों की नियुक्ति से विद्यार्थियों को शिक्षा की नियमित और गुणवत्तापूर्ण सुविधा मिलेगी। इसी प्रकार जिले के एकल शिक्षकीय विद्यालयों में भी युक्तियुक्तकरण के तहत आवश्यक शिक्षकों की व्यवस्था की गई है। इनमें फरसगांव विकासखण्ड के उच्च प्राथमिक शाला भैंसाबोड़, माध्यमिक शाला बाजारपारा फरसगांव, कोण्डागांव विकासखण्ड के हाई स्कूल डोंगरीगुड़ा और हाई स्कूल नवागांव और जिले के दूरस्थ अंचल माकड़ी विकासखण्ड के हाई स्कूल एरला सहित जिले के 244 प्राथमिक शालाओं में भी युक्तियुक्तरण के पश्चात शिक्षकों की आवश्यक व्यवस्था की गई है।

शिक्षा व स्वास्थ्य को छोड़ सायं सरकार शराब दुकान में व्यस्त - मंजू कवासी

✹ बीजेपी सरकार में लगातार महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहा है

सुकमा 16 जून (दण्डकारण्य समाचार) शनिवार को भारतीय महिला फेडरेशन छत्तीसगढ़ राज्य के सचिव मंजू कवासी ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि आज छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार गरीबी अशिक्षा बेरोजगारी महंगाई और अपराध जैसे सामाजिक संकटों से जूझ रहा है, लेकिन सबसे गंभीर समस्या बनकर उभरी है शराब की लत। यह राज्य की जनता के लिए विकराल रूप ले चुकी है जिसका मुख्य कारण सरकार की जनविरोधी नीतियां और पूंजीपतियों के प्रति उसकी कठपुतली भूमिका है। वर्तमान भाजपा सरकार प्राकृतिक संसाधनों को अंग्रेजों की तरह लूट रही है। हसदेव में आदिवासियों को उजाड़कर कोयला निकाला जा रहा है जिससे पर्यावरण और जनजीवन तबाह हो रहा है। दूसरी ओर शराबखोरी अब घर.घर की समस्या बन चुकी है। अस्पतालों पुलिस थानों कोर्ट.कचहरियों और नशा मुक्ति केंद्रों में शराब के विनाशकारी प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार द्वारा नई शराब दुकानें खोलने की नीति उनकी असंवेदनशीलता और पूंजीपति हितों के प्रति निष्ठा को दर्शाती है। एक आदिवासी मुख्यमंत्री होने के बावजूद जनता को शराब के नशे में धकेलकर उनका भविष्य तबाह किया जा रहा है। विडंबना यह है कि जहां राज्य में 10,463 स्कूल बंद किए गए हैं वहीं शराब की दुकानें खोलने पर जोर दिया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और रोजगार जैसी बुनियादी जरूरतों के बजाय सरकार का उद्देश्य शराब बेचकर खजाना भरना और जनता के अधिकारों को कुचलना प्रतीत होता है। स्थानीय जनप्रतिनिधि भी सरकार के इशारों पर नाच रहे हैं जिसका खामियाजा भोली.भाली जनता को भुगतना पड़ रहा है। हम मांग करते हैं कि सरकार शराब दुकानें खोलने की नीति को तत्काल रद्द करे और शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार जैसे क्षेत्रों में निवेश करे। छत्तीसगढ़ की जनता को शराब की दलदल से निकालकर एक सशक्त और समृद्ध भविष्य की ओर ले जाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

जिले में चिकित्सा सुविधाओं का हो रहा सुदृढ़ीकरण, विशेषज्ञ चिकित्सक और चिकित्सा अधिकारियों की हुई नियुक्ति

सुकमा, 16 जून (दण्डकारण्य समाचार)। जिला सुकमा में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा खनिज न्यास निधि (डी.एम.एफ.) मद के अंतर्गत विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। रिक्त पदों को भरते हुए जिला चिकित्सालय सुकमा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में योग्य चिकित्सकों की पदस्थापना की गई है, जिससे जिले के नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सके। जिला चिकित्सालय सुकमा में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. खुशबू देवांगन, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. शुभानशु रंजन तथा सर्जन विशेषज्ञ डॉ. के. तिरूपती की नियुक्ति की गई है। वहीं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्तागुफा में चिकित्सा अधिकारी के रूप में डॉ. कौशल कुमार को पदस्थ किया गया है। प्रशासन की इस पहल से जिले के दूरस्थ अंचलों में निवासरत लोगों को भी अब विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिलेगा।